

सरवरिया री तीर खड़ी नानी नीर बहावे है भजन लिरिक्स



सरवरिया री तीर खड़ी,
आ नानी नीर बहावे है,
जामण जाए वीर बिना कुण,
भात भरण न आवे है।bd।

एक दिन मारो भोलो बाबुल,
अरबपति कहलायो तो,
अन धन रा भंडार घणेरा,
ओर छोर नही पायो हो,
ऊंचा ऊंचा महल मालिया,
नगर सेठ केहलायो तू,
अण गिनती रा नौकर चाकर,
याद घणेरी आवे हो,
सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

लाड प्यार में पली लाडली,
बड़ा घरा परणार्थी थी,
हे दान दायजो हाथी घोड़ा,
दास दासीया लाई ओ,
सोना चांदी हीरा मोती,
गाडा भर भर लाई थी,
इतरी बाता आद करू जद,
हिवड़ो भर भर आवे ओ,
सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

तेरे भरोसे सेठ सावंरा,
भोलो बाबुल आयो है,
गोपी चंदन और तूबड़ा,
साधा ने संग लायो है,
घर घर मांगत फिरे सूरिया,
मारो मान घटायो है,
देवरीयो माने ताना देव है,
नणंदल आख दिखावे है,
सरवरिया री पाल खड़ी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



और संगी ने मेहल मालिया,
टुटी टपली नरसी ने,
ओर संगी ने सोल दुसाला,
फाटी गुदड़ी नरसी ने,
ओर संगी ने लाडू पेड़ा,
सुखी रोटी नरसी ने,
डूब मरू पर घर नहीं आऊ,
बाबुल मन लजावे ओ,
सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

विपल होय जद नानी बाई,
श्याम प्रभु ने ध्यायो है,
राधा रूकमणि लेन है सांवरो,
सेठ सांवरो आयो है,
भात भरणे धान दायजो,
गाडा भर भर लायो है,
सावरी ने निरख बावली,
बाता हु बतलावे है,
सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

कुण से नगर पधारा हो थे,
कुण रा हो मजमान थे,
नैनी बाई रो भाई भात भरणे,
जासा नगर अणजार जी,
नरसीलो मारो सेठ पुराणो,
मारो अनदातार जी,
नैनी बाई मारी धरम बहन है,
सावरीयो समजावे जी,
सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

बात सुणी जद सावरीये री,
सारो दुखड़ो दुर हुयो,
भगत मंडली सेठ सांवरिया रा,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्स्टॉल के जैसी आपने जो बाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



सरवरिया री पाल खड़ी,
आ नानी नीर बहाव है।bd।

सरवरिया री तीर खड़ी,
आ नानी नीर बहावे है,
जामण जाए वीर बिना कुण,
भात भरण न आवे है।bd।

गायक – स्वामी सच्चिदानंद जी।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा।
9024909170
